

डॉ. डैनियल डार्को, जेल पत्र, सत्र 17, फिलेमोन

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को जेल पत्रों पर अपनी व्याख्यान श्रृंखला में हैं। यह फिलेमोन पर सत्र 17 है।

जेल पत्रों पर हमारी बाइबिल अध्ययन व्याख्यान श्रृंखला में आपका स्वागत है।

हमने कुलुस्सियों की पुस्तक पढ़ ली है, और अब हम फिलेमोन की पुस्तक पर नज़र डालते हैं। फिलेमोन एक बहुत ही रोचक पुस्तक है। यह केवल एक अध्याय है।

मुझे नहीं पता कि आपमें से कितने लोग मनोरंजन के लिए फिलेमोन पढ़ना पसंद करते हैं। मुझे नहीं पता कि क्या आपने फिलेमोन का अध्ययन करने के लिए खुद भी जहमत उठाई है। मैं यह भी नहीं जानता कि, ईमानदारी से कहूँ तो, क्या आपने फिलेमोन को पढ़ने के लिए अपने भक्ति समय में भी समय निकाला है।

या शायद मुझे पूछना चाहिए, क्या आपने फिलेमोन पर कोई उपदेश दिया है? जब आप फिलेमोन को लिखे पौलुस के पत्र के बारे में सोचते हैं, तो आपके दिमाग में क्या आता है? लेकिन पत्र में जाने से पहले, हमें कुछ दिलचस्प बातों पर गौर करना होगा जो वास्तव में इस पत्र के बारे में सोचते समय आधुनिक विद्वत्ता में उभर कर आती हैं। आधुनिक चर्चा के प्रकाश में हम जो पहली चीज़ देखते हैं, वह है तिथियाँ और लेखकत्व। हम इस विशेष व्याख्यान श्रृंखला को जेल पत्र कहते हैं।

इस व्याख्यान की शुरुआत में ही, मैंने वास्तव में आपका ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया कि जेल पत्रों के इस संग्रह में से कुछ पुस्तकों के बारे में विद्वानों द्वारा विवादित है कि वे पॉल द्वारा नहीं लिखी गई हैं। इनमें से दो पुस्तकें जो सबसे अलग हैं, वे हैं कुलुस्सियों और इफिसियों। जेल पत्रों के संग्रह में दो निर्विवाद हैं जिन्हें हम इस अध्ययन श्रृंखला में देखते हैं, वे हैं फिलिप्पियों और फिलेमोन।

अगर आप चाहें तो इसे पी.एम.पी. कह सकते हैं। फिलेमोन की रचना पॉल ने की है, इस पर कोई विवाद नहीं है। फिर भी, फिलेमोन आज भी विद्वानों के लिए कई तरह के सवाल खड़े करता है।

तो, आइए फिलेमोन पर चर्चा शुरू करें, यह मानते हुए या स्थापित करते हुए कि पॉल ने इसे लिखा था। कम से कम अधिकांश विद्वानों को वास्तव में पॉल और लेखकत्व को खारिज करने के लिए कोई गंभीर तर्क नहीं मिला है। तो, पॉल फिलेमोन का लेखक है।

फिलेमोन कब लिखा गया था? जब हम फिलेमोन के बारे में सोचते हैं, तो हम विशिष्ट तिथि के बारे में सोचते हैं। चूँकि मैंने आपको पहले बताया था कि यह पत्र संभवतः रोम से लिखा गया था, इसलिए रोम में पॉल के कारावास की तिथि 61 और 63 ई. के बीच रखी गई है, या जैसा कि हम आधुनिक दिनों में इसका उपयोग करेंगे, सी.ई., ईसाई युग का उल्लेख करते हुए। कुछ लोगों ने

सुझाव दिया है कि पॉल को कहीं कैद किया गया था, और यह कैसरिया या कैसरिया हो सकता है, आपके उच्चारण के आधार पर, या इफिसस, और वे तिथियों के साथ खेल करेंगे।

लेकिन आप पॉल की कैद को चाहे जिस भी स्थान पर रखें, तिथि-निर्धारण एक-दूसरे से बहुत अलग नहीं होने वाला है। यह कभी भी एक-दूसरे से 5 साल दूर नहीं होने वाला है। वैसे, मुझे आपका ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करना चाहिए कि सभी नए नियम की पुस्तकों की तिथि 50 से 180 50 वर्षों के बीच है।

इसलिए, हमारे लिए ऐसा कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं है जिसके साथ काम करके हम कह सकें कि, ओह, समय बीत गया। कुछ हद तक, यह हमारे नए नियम के अध्ययन का आसान हिस्सा है, हमारे पुराने नियम के सहकर्मियों के विपरीत, जिन्हें घटनाओं और घटना के लेखन के बीच की तिथि निर्धारित करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

और घटना के लेखन की तिथि, पारंपरिक तिथि, और कुछ विद्वानों का मानना है कि शब्दावली और सभी प्रकार के मुद्दों के आधार पर तिथि निर्धारण होता है। नया नियम, हम उस पर पास हो जाते हैं। यह काफी सीधा है।

पहली सदी के मध्य से अंत तक। इस विशेष अक्षर को विशिष्ट रूप से 55, 68 अधिकतम के बीच रखा जा सकता है। यह अधिक संकीर्ण है, जैसा कि आज अधिकांश विद्वान तर्क देंगे, और जैसा कि मैं तर्क दूंगा, 60 और 63 के बीच, उस ब्रैकेट में।

और अगर हम इसे लें, तो पॉल रोम में अपनी जेल से यह लिख रहा होगा। पॉल लेखक होने का दावा करता है, और वह दावा करता है कि वह फिलेमोन 1, फिलेमोन 9 और फिलेमोन 19 में इसे स्पष्ट रूप से लिख रहा है। याद रखें कि फिलेमोन में अध्याय नहीं हैं, इसलिए जब मैं फिलेमोन 1 कहता हूँ, तो मेरा मतलब पहली आयत, नौवीं आयत और 19वीं आयत से है।

लेकिन जब आप फिलेमोन के बारे में सोचते हैं, तो आपको एक और पत्र के बारे में भी सोचना चाहिए। क्योंकि फिलेमोन को कहाँ लिखा गया था? यह विद्वानों की चर्चा के लिए लगभग एक सीधा सवाल है। सबसे अधिक संभावना है कि यह पत्र कुलुस्से को लिखा गया था, और यह कुलुस्से में उसके घर पर एक विशिष्ट व्यक्ति और एक चर्च को लिखा गया था।

इसलिए, इस पत्र और कुलुस्सियों के बीच के संबंध को देखना हमेशा समझदारी भरा होता है। क्योंकि न केवल हम इसे स्थापित करते हैं, बल्कि इन दो पत्रों के बीच आंतरिक साक्ष्य दिखाते हैं कि वास्तव में यह सुझाव देने के लिए पर्याप्त कारण हैं कि ये करीबी पत्र हैं जो संबंधित हैं। इस पूरे मामले में एकमात्र विडंबना यह है कि एक बात निर्विवाद है कि पौलुस ने क्या लिखा, और दूसरे विद्वान पौलुस ने क्या लिखा, इस पर विवाद करते हैं।

तो चलिए मैं आपको इनमें से कुछ बातें बताता हूँ। फिलेमोन और कुलुस्सियों के बीच संबंध। दोनों पत्र जेल से लिखे गए थे।

तो इससे आपको यह समझ में आ जाना चाहिए कि पॉल ने खुद को कैसे पेश किया है। टिमोथी और पॉल को इन किताबों के लेखक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पॉल कहते हैं कि वह टिमोथी के साथ मिलकर लिख रहे हैं।

वह कुलुस्सियों के बारे में ऐसा कहता है, और वह फिलेमोन के बारे में भी ऐसा कहता है। दोनों पत्रों के अभिवादन में जिन लोगों का उल्लेख किया गया है, वे एक दूसरे से मिलते-जुलते हैं। वास्तव में, जैसा कि मैं आपको कुछ मिनटों में दिखाऊंगा, आप देखेंगे कि इपफ्रास, मार्क, अरिस्तर्खुस, देमास और ल्यूक भी फिलेमोन में दिखाई देते हैं, जैसा कि आप कुलुस्सियों में पाते हैं।

और दिलचस्प बात यह है कि फिलेमोन के वृत्तांत में दास, ओनेसिमस का उल्लेख कुलुस्सियों 4, आयत 7-9 में भी किया गया है। तो, आप देख सकते हैं कि यहाँ क्या हो रहा है। जब हम कुलुस्से में एक चर्च के बारे में सोचते हैं, तो हम एक ऐसे चर्च के बारे में नहीं सोचते हैं जिसमें आपके पास एक गिरजाघर है और हर रविवार को 200 लोग चर्च में आते हैं। नहीं।

पहली सदी में शुरुआती ईसाई इस तरह से काम नहीं करते थे। वे वास्तव में लोगों के घरों में मिलते थे। पुरातात्विक साक्ष्यों से हमें पता चलता है कि अमीर लोगों के पास क्लबों और विभिन्न समाजों के लिए बैठकें आयोजित करने के लिए पर्याप्त जगह थी।

हालाँकि, यहाँ पर शायद जिस बात पर ज़ोर दिया जाना चाहिए या जिसे आगे रखा जाना चाहिए, वह यह है कि हमारे पास यह साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि ऐसे घर हैं जो लिविंग रूम के आकार के कारण एक समय में 50 से ज़्यादा लोगों को रख सकते हैं। इसलिए जब हम शुरुआती चर्च और उनकी बैठकों की कल्पना करते हैं, तो हम घर के चर्चों की कल्पना करते हैं, एक समय में 50 से ज़्यादा लोग नहीं होते, और बड़े शहर में कई घर के चर्च होते हैं। जब आप कुलुस्से के चर्चों के बारे में सोचते हैं तो यही बात दिमाग में आनी चाहिए।

और इसलिए, जब पौलुस हमारा ध्यान फिलेमोन के घर में मिलने वाली कलीसिया की ओर आकर्षित करता है, तो यही वह कल्पना है जो हमें रखनी चाहिए। इसलिए, यह बहुत संभव है कि जिस कलीसिया को फिलेमोन तक पहुँच होगी या जो फिलेमोन की सामग्री को सुनेगी, उसके पास कुलुस्सियों तक भी पहुँच होगी और उसे उनकी कलीसिया की बैठक में ज़ोर से पढ़ा जाएगा। अगर यह बात स्पष्ट होने लगी है, तो मैं आपको कुछ आंतरिक सबूत दिखाता हूँ जो इन दो पत्रों को जोड़ते हैं।

एक, इन दो पत्रों के परिचय को देखें। फिलेमोन 1 और कुलुस्सियों 1। फिलेमोन 1 वास्तव में यह कहकर शुरू होता है कि पॉल ही इसे लिख रहा है, और वह हमारे भाई तीमुथियुस के साथ ऐसा कर रहा है। कुलुस्सियों 1 आयत 1 में, पॉल ही इसे लिख रहा है, और वह इसे हमारे भाई तीमुथियुस के साथ लिख रहा है।

ध्यान दें कि बातचीत में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि मैं यहाँ से कुछ और बातें आगे लाऊँगा। यहाँ, पौलुस खुद को मसीह यीशु के कैदी के रूप में पेश करता है। लेकिन कुलुस्सियों में, वह खुद को मसीह यीशु के प्रेरित के रूप में पेश करता है।

इस विचार पर कायम रहें कि फिलेमोन में, वह खुद को मसीह यीशु के लिए एक कैदी के रूप में पेश करता है। मैं आगे बढ़ता हूँ और आपको इन पत्रों में एक समानता दिखाने के लिए एक और आंतरिक सबूत भी दिखाता हूँ। जब आप फिलेमोन को देखते हैं, तो आप देखते हैं कि अंतिम अभिवादन में, पॉल ने इपफ्रास का उल्लेख किया है।

कुलुस्सियों के अध्याय 4 में, इपफ्रास का उल्लेख यहाँ किया गया है। आप देखिए, मरकुस ने उल्लेख किया है, और कुलुस्सियों 4 में मरकुस का उल्लेख किया गया है। आप वहाँ एक और नाम देखते हैं, अरिस्तर्खुस। कुलुस्सियों 4 में सूची में सबसे पहले अरिस्तर्खुस का उल्लेख किया गया है। हम देमास का नाम देखते हैं।

खैर, कुलुस्सियों 4:14 में देमास का उल्लेख किया गया है। आप लूका को देखिए। कुलुस्सियों 4:14 में लूका का उल्लेख किया गया है। और शायद एकमात्र जगह जहाँ पौलुस ने उसे एक चिकित्सक के रूप में संदर्भित किया है जिसके बारे में हमें पता चलेगा। तो, इस तुलना में आप जो चीजें देखना शुरू कर रहे हैं उनमें से एक यह है कि फिलेमोन और कुलुस्सियों के पत्र ऐसे हैं जो दोनों कलीसियाओं के लिए सुलभ होंगे।

और वे पत्र जो एक ही व्यक्ति द्वारा लिखे गए हैं। सिवाय इसके कि आप इस तर्क पर कायम हैं कि कुलुस्सियों को किसी ने लिखा था। यही कारण है कि जब हम कुलुस्सियों पर चर्चा कर रहे थे, तो मैंने तुरंत यह इंगित किया कि एक बात जो इस तर्क को कमज़ोर करती है कि कुलुस्सियों को पॉल ने नहीं लिखा, वह यह तथ्य है कि फिलेमोन के लेखक होने पर कोई विवाद नहीं है।

अगर ये करीबी समानताएँ स्पष्ट हैं, तो आप कैसे कह सकते हैं कि पॉल ने वास्तव में एक लिखा था, लेकिन पॉल ने दूसरा नहीं लिखा? क्या चर्च इतना मूर्ख है कि वे एक काल्पनिक व्यक्ति द्वारा लिखी गई एक किताब बना सकते हैं जो पॉल की तरह दिखावा करता है और इतने समय के भीतर ये सब काम करता है और उन्हें बैठकर यह कहने के लिए मजबूर करता है, ओह हाँ, हम मानते हैं कि शायद पॉल ने इसे लिखा है। पॉल ने इसे नहीं लिखा। और फिर, इस बारे में सोचें: 1900 साल बाद, हम यह पता लगाते हैं कि वास्तव में पॉल ने इसे नहीं लिखा था।

पहली सदी में, उन्हें धोखा दिया गया था। और चर्च, बाकी चर्च, लगभग 1800 वर्षों से धोखा खा रहा है, झूठ पर विश्वास कर रहा है। हमने अभी पता लगाया है कि पॉल ने इसे नहीं लिखा था।

साक्ष्य और तर्क जिस तरह से दिए गए हैं वह दिलचस्प है, और यह एक अल्पमत है। आधुनिक मूल्यांकन में, दोनों पत्रों के लिए पॉलिन के लेखकत्व के बढ़ते पैटर्न और स्वीकृति को देखना अच्छा है। इसलिए, हम इस पत्र को एक पत्र के रूप में मानते हैं जो कुलुस्सियों के साथ-साथ चला और एक पत्र के रूप में जो पॉल द्वारा लिखा गया था।

और उसी व्यक्ति द्वारा जिसने कुलुस्सियों को लिखा था। अब, यह पत्र फिलेमोन को संबोधित है। यह वास्तव में इस तरह से शुरू होता है: पौलुस, जो मसीह यीशु का कैदी है और हमारे भाई तीमुथियुस की ओर से, हमारे प्रिय सहकर्मी फिलेमोन, और हमारी बहन अफिया, और हमारे साथी सैनिक अर्खिप्पुस, और तुम्हारे घर की कलीसिया को।

हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शांति मिले। तो, सवाल पूछा जा सकता है, फिलेमोन कौन है? इस विशेष पत्र से हमें जो संकेत मिलते हैं, उसके अनुसार फिलेमोन शायद एक अमीर व्यक्ति था। वह संभवतः कुलुस्से शहर के उच्च वर्ग से संबंधित था।

उसके पास इतना बड़ा घर था कि वह अपने घर में चर्च की मीटिंग रख सकता था। निश्चित रूप से, उसके पास गुलाम थे। लेकिन मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि गुलाम होना अपने आप में किसी व्यक्ति की संपत्ति का कोई विशेष संकेत नहीं है।

क्योंकि प्राचीन दुनिया में, जैसा कि मैंने कुलुस्सियों की चर्चा में बताया था, गुलामी आम बात थी। किसी बड़े शहर में, 30 से 35 प्रतिशत आबादी गुलामों की होती थी। गुलामी का संबंध नस्ल से नहीं था।

अगर आपके पड़ोसी पर आपका बहुत सारा पैसा बकाया है, तो वह उस पैसे को अपनी बेटी या बेटे के साथ बदल सकता है, जिसे वह आपके लिए गुलाम बनाकर आपके पास ला सकता है। इसीलिए दासता मुक्ति नामक एक चीज थी। कोई भी व्यक्ति अपने खर्चे चुकाकर गुलाम के रूप में अपनी आज़ादी खरीद सकता था।

धन के बारे में उन शब्दों में सोचें और कल्पना करें कि जिन लोगों के पास दास हैं वे जरूरी नहीं कि बहुत अमीर हों। लेकिन परीक्षण में हमें जो अन्य संकेत मिले हैं, वे बताते हैं कि फिलेमोन आर्थिक रूप से मजबूत या धनी था। उसका पेशा क्या था, हमें नहीं पता।

पॉल के यात्रा कार्यक्रम के आधार पर हम केवल यह अनुमान लगा सकते हैं कि वह शायद एक व्यापारी था जिसके संपर्क में पॉल अपनी किसी यात्रा के दौरान आया था। हम जानते हैं कि जहाँ तक ईसाई धर्म में उसके धर्मांतरण का सवाल है, पॉल ने उसे मसीह की ओर अग्रसर किया। और पॉल इस व्यक्ति को आकर्षित करने के लिए अपने एक महत्वपूर्ण बिंदु के रूप में इसका उल्लेख करने में जल्दी करेगा।

पौलुस इस पत्र में यह भी बताता है कि फिलेमोन ने उसके साथ सेवकाई में काम किया है। फिलेमोन 1 और फिलेमोन 17 में वह उसे अपना सहकर्मी और साझेदार कहता है। उसने पौलुस के साथ मिलकर सेवकाई की।

जहाँ तक नेतृत्व का सवाल है और फिलेमोन के नेतृत्व के बारे में हम जो जानते हैं, फिलेमोन वास्तव में अपने घर में लोगों से मिलते थे, जो हमें सुझाव देता है कि वह संभवतः अपने घर में चर्च का नेता था। तो, आइए इसे संदर्भ में रखें क्योंकि हम पाठ को थोड़ा और करीब से देखने से पहले पृष्ठभूमि की अधिक जांच करते हैं। पॉल, जो रोम में जेल में था, कुलुस्से में अपने पूर्व धर्मांतरित को लिख रहा था।

उसका नाम फिलेमोन है। वह शायद एक व्यापारी था, लेकिन जहाँ तक पॉल के साथ उसके घनिष्ठ संबंध का सवाल है, उसने वास्तव में पॉल के साथ मंत्रालय में और यहाँ तक कि उसके घर

में मिलने वाली एक चर्च में भी साथ-साथ काम किया है। शायद पॉल इस आदमी का दूर का सलाहकार भी रहा हो।

मैं यह सब इसलिए कह रहा हूँ ताकि आपको याद आ जाए और आपको यह बात याद आए कि पॉल का इस व्यक्ति के साथ बहुत करीबी रिश्ता था। आइए देखें कि पॉल चर्चा के दौरान इसका इस्तेमाल कैसे करता है। इस पाठ पर आगे बढ़ने से पहले मैं आपका ध्यान इस पत्र के बारे में कुछ बातों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

आधुनिक विद्वत्ता में, इस पर बहस हुई है, और वास्तव में यह बहस जारी है। वास्तव में, सिर्फ़ दो साल पहले, मैं हमारे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बाइबिल साहित्य संस्थान में इस विशेष विषय पर एक प्रमुख बहस का हिस्सा था। फिलेमोन में ओनेसिमस कौन था? खैर, ओनेसिमस की जगह या भूमिका का एक अर्थ उसे एक भगोड़े गुलाम के रूप में देखना है। फुगिविटस लैटिन अभिव्यक्ति है जिसका हम कभी-कभी उपयोग करते हैं।

और यह कहना कि वह एक भगोड़ा गुलाम था, यह कहना है कि ओनेसिमस फिलेमोन का गुलाम था, और ओनेसिमस को किसी तरह भागने का मौका मिल गया, और वह भाग गया। और बहुत दूर भाग गया ताकि उसका मालिक उसे पकड़ न सके। वह ईसाई नहीं बना था, इसलिए वह एक ऐसा विद्रोही गुलाम था जो वास्तव में जल्दी-जल्दी चलता था और वह सब कुछ करता था जो उसे नहीं करना चाहिए था।

लेकिन सोचिए क्या हुआ? जब वह अभी भी वहाँ था, तो उसे एक आदमी मिला जिसे उसका मालिक पॉल के नाम से जानता था। शायद उसने उसका नाम कहीं सुना था। यह आदमी जेल में था।

शायद उसका संपर्क पॉल से हुआ था और पॉल ने उसे मसीह के पास पहुँचाया। और हालात बदल गए। भगोड़ा विद्रोही दास अपने आचरण में बदलाव करने लगा।

जैसा कि पौलुस ने बाद में अपने पत्र में कहा, वह पौलुस के लिए कई तरह से उपयोगी साबित होगा। पौलुस को भरोसा होगा कि वह उसे उसके स्वामी के पास वापस भेज सकेगा। इसलिए पाठ में ओनेसिमस के बारे में यही कहा गया है।

ओनेसिमस कौन है, इस पर विद्वानों का तर्क, दूसरा तर्क वास्तव में इस प्रकार है। हम कभी-कभी एक-दूसरे को प्रभावित करने और यह दिखाने के लिए लैटिन अभिव्यक्तियों का उपयोग करना पसंद करते हैं कि हम जानते हैं कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं। और दूसरे दृष्टिकोण के लिए लैटिन अभिव्यक्ति है एमिकस डोमिनी।

कहने का मतलब यह है कि वह एक भगोड़ा गुलाम था, लेकिन वह हमेशा के लिए भागने के इरादे से नहीं भागा था। उसने भागने का एक मौका इस इरादे से पाया कि वह अपने मालिक के किसी जानने वाले से बात करे ताकि वह व्यक्ति आकर उसके लिए मध्यस्थता करे। क्या आपको इस और पिछले वाले में अंतर नज़र आता है? इस मामले में, वह एक भगोड़ा गुलाम था।

लेकिन वह एक अच्छा भगोड़ा गुलाम था। क्योंकि वह अपने मालिक को खोने के कारण भाग नहीं रहा था। लेकिन उसे अपने मालिक का व्यवहार पसंद नहीं था।

इसलिए, वह किसी ऐसे व्यक्ति को खोजने के लिए भाग जाता है जिसका उसके मालिक सम्मान करते हैं ताकि वह उससे अपने मालिक से बात करने की अपील कर सके ताकि उसका मालिक उसके साथ बहुत अच्छा व्यवहार करे। कुछ विद्वान इस पत्र को उस दृष्टिकोण से पढ़ते हैं। इसलिए, ओनेसिमस को एक बुरे व्यक्ति के रूप में नहीं दर्शाया गया है जो अपने मालिक के लिए एक बड़ा नुकसान होने वाला है या जो अपने मालिक को देखते ही दंडित होने का हकदार है।

एक बात जो आप उस दृष्टिकोण के बारे में नोट करना चाहेंगे, जैसा कि मैं अपने कुछ सहकर्मियों के साथ तर्क करूंगा, वह यह है कि केवल ओनेसिमस ही जानता है कि उसका इरादा क्या था। लेकिन जहाँ तक उसके मालिक का सवाल है, वह अभी भी उसे पहले दृष्टिकोण की तरह ही भगोड़ा मान सकता था कि वह भाग गया था। मालिक को यह नहीं पता होगा कि वह किसी से मध्यस्थता करने के लिए भाग रहा था और यह सब।

यह वास्तव में ओनेसिमस की ओर से इरादे का खुलासा है न कि फिलेमोन के दृष्टिकोण का। कुछ विद्वान अभी भी इस बात पर जोर देंगे कि गतिशीलता को बदला जाना चाहिए, जिसमें पत्र प्राप्त करने का तरीका और फिलेमोन द्वारा ओनेसिमस के साथ व्यवहार करना शामिल है। और फिर एक तीसरा वाचन है।

तीसरा वाचन कहता है, एक मिनट रुकिए, वह आदमी कोई भगोड़ा गुलाम नहीं था। वह आदमी एक गुलाम था, लेकिन असल में, वह आदमी एक गुलाम था जिसे उसके मालिक फिलेमोन ने जेल में बंद पॉल की मदद करने के लिए भेजा था। और इसलिए, पॉल की मदद करने के बाद, पॉल उसे वापस भेज देता है।

तो, इस दृष्टिकोण से, फिलेमोन अच्छा आदमी है। वह अच्छा आदमी है जो हमेशा पॉल के प्रति वफ़ादार, वफ़ादार और अद्भुत रहा है और जो पॉल के दिल में सबसे गहरी दिलचस्पी रखता है और कहता है कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो मेरे दोस्त पॉल की मदद करे जब वह जेल में था। और इसलिए, मैं अपने एक दास, ओनेसिमस को, शायद जिस पर मैं भरोसा कर सकता हूँ, वापस भेज रहा हूँ और पॉल के साथ अच्छा व्यवहार करे, ताकि वह जेल में जाकर उसकी सेवा करे और फिर बाद में वापस आ जाए।

इसलिए जब वह वापस आ रहा था, तो पॉल ने एक पत्र लिखकर कहा कि इस आदमी को मेरे पास भेजने के लिए आपका धन्यवाद। मैं चाहता हूँ कि आप इस आदमी का अब एक नई भावना के साथ स्वागत करें। वह एक महान व्यक्ति रहा है।

उसे अपने दासों के दूसरे रैंकों में पदोन्नति दो। उसके साथ अच्छा व्यवहार करो। बढ़िया बनो।

इस परीक्षण के प्रति आप जो भी दृष्टिकोण रखते हैं, वह फिलेमोन को देखने के आपके तरीके को प्रभावित करता है, जिस तरह से आप पौलुस को उसकी ओर से अपील करते हुए देखते हैं। और यह आपकी कल्पना को भी प्रभावित करता है कि यह आदमी घर में कैसे वापस आ रहा है, वह

शारीरिक रूप से वापस आ रहा है, उसके मन की स्थिति क्या होगी। यदि वह वहाँ किसी मध्यस्थ को खोजने जा रहा था, तो उसे अभी भी डरना चाहिए क्योंकि उसके स्वामी को नहीं पता था कि वह मध्यस्थ की तलाश में अंदर गया था।

अगर उसके मालिक ने उसे भेजा है, तो उसे कुछ हद तक आत्मविश्वास के साथ आना चाहिए। मैं वापस आकर अपने बेडरूम का फिर से इस्तेमाल कर सकता हूँ। फिर, मैं घर में अपने कुछ गुलाम दोस्तों से मिल सकता हूँ।

जब आप इसकी कल्पना करते हैं तो यह एक संपूर्ण परिदृश्य बन जाता है। मुझे कहना चाहिए कि कठिनाई यह है कि एक अध्याय का परीक्षण ऐसा है कि आप वास्तव में इन सभी तर्कों को किसी तरह से खड़ा कर सकते हैं। मुझे फिलेमोन को पॉल द्वारा फिलेमोन को लिखे गए एक पत्र के रूप में पढ़ना पसंद है, जो उसके भगोड़े दास की ओर से अपील करता है।

चाहे वह भगोड़ा गुलाम हो जो अपनी ओर से बातचीत करने के लिए किसी मध्यस्थ की मदद मांग रहा हो या हमेशा के लिए भाग रहा हो, पत्र का प्राप्तकर्ता लापरवाह था और वास्तव में भगोड़े गुलाम के इरादे के बारे में कोई जानकारी नहीं रखता था। भगोड़े गुलाम को आने की कोशिश करते हुए डरना चाहिए, और उम्मीद है, उम्मीद है, उम्मीद है, उम्मीद है, उम्मीद है कि उसके घर में मिलने वाले चर्च को पहले कुलुस्सियों को पढ़ने का अवसर मिला होगा। हालाँकि वे सभी पत्र एक ही समय पर आ रहे थे, उन्हें पहले कुलुस्सियों को पढ़ने का अवसर मिला, जिसमें उन्होंने पॉल को ओनेसिमस का उल्लेख करते हुए सुना और वास्तव में उसे वहाँ कुछ बहुत अच्छी तरह से घुमाया ताकि फिलेमोन कह सके, ओह! क्या वह मेरा गुलाम है? वह पॉल के साथ क्या कर रहा है? कम से कम थोड़ा सा आधार तैयार करें।

यदि नहीं, तो कल्पना करें कि ओनेसिमस मौत से डरकर वापस आता है और जब वह अपने मालिक को उसकी पैट में पेशाब करते हुए देखता है। मैंने इस पत्र को इस तरह से पढ़ा है, और इस वजह से, मैं सुझाव दूंगा कि पॉल को फिलेमोन को यह समझाने के लिए इतनी मजबूत अपील करनी चाहिए कि यह भगोड़ा आदमी अब अच्छा है और ओनेसिमस को पता है कि यह कोई अच्छी खबर नहीं है कि वापस आ रहा है, इसलिए वह थोड़ा निश्चित हो सकता है कि अगर उसके मालिक को यह पत्र मिल जाता है, तो कम से कम उसे पत्र पढ़ने का मौका तो मिलेगा, इससे पहले कि वह उसे कोड़े मारने या उसके साथ कोई क्रूर व्यवहार करने का कोई वास्तविक कारण ढूँढे। अगर हम इस तरह से काम करते हैं, तो हम इसे बहुत खास तरीके से देखेंगे।

अगर हम इस तथ्य के साथ काम करते हैं कि उसे फिलेमोन ने पॉल की मदद करने के लिए भेजा था, तो हम सुझाव दे रहे हैं कि पॉल कुछ हद तक मुक्ति की अपील कर रहा है। पॉल यह कहने की कोशिश कर रहा है कि उसे अपने दास को रिहा करना चाहिए और उसे रिहा करने के लिए बातचीत करनी चाहिए, और जो विद्वान यह तर्क देते हैं वे इन आयतों का हवाला देते हैं, और मैं चाहूंगा कि हम इसे पढ़ें ताकि आप अपना मन बना सकें कि क्या यह समझ में आता है। आयत 11 से, यह पढ़ता है कि पहले वह तुम्हारे लिए बेकार था, लेकिन अब वह तुम्हारे और मेरे लिए उपयोगी हो गया है।

मैं उसे तुम्हारे पास वापस भेज रहा हूँ जो मेरा दिल है। मैं उसे अपने साथ रखना चाहता था ताकि जब मैं सुसमाचार के लिए जंजीरों में जकड़ा रहूँ तो वह तुम्हारी जगह ले सके और मेरी मदद कर सके। लेकिन मैं तुम्हारी सहमति के बिना कुछ भी नहीं करना चाहता था ताकि तुम जो भी उपकार करो वह मजबूरी न लगे बल्कि स्वैच्छिक हो।

शायद वह आपसे थोड़े समय के लिए अलग हो गया था ताकि आप उसे हमेशा के लिए वापस पा सकें। अब वह गुलाम नहीं है और पद 16 पर ध्यान दें। अब वह गुलाम नहीं है, बल्कि एक गुलाम से भी बेहतर है, एक प्यारे भाई के रूप में।

वह मेरे लिए बहुत प्रिय है, लेकिन आपके लिए उससे भी ज़्यादा प्रिय है। यह शब्द, जिसका अनुवाद प्रिय और प्रियतर है, अगापीटो के प्रिय के बारे में सोचता है, एक साथी मनुष्य के रूप में और प्रभु में एक भाई के रूप में।

इसलिए वे विद्वान इस परीक्षण को चुनेंगे और कहेंगे कि यह वास्तव में तर्क देता है कि पॉल ओनेसिमस के लिए मुक्ति चाहता है। मेरा सुझाव है कि यह इस परीक्षण में बिल्कुल भी स्पष्ट नहीं है। जब उसने कहा कि वह किसी कारण से आपसे अलग हो गया था, तो उसने यह नहीं कहा कि आपने उसे किसी कारण से मेरे पास भेजा था।

मेरे लिए पद 15 में दिए गए सुराग से ऐसा लगता है कि फिलेमोन ने स्वेच्छा से कुछ नहीं किया है और वह रोम में पॉल के पास अपने अद्भुत दूत की वापसी की उम्मीद कर रहा है। इसलिए मैं इसे उसी तरह पढ़ना पसंद करता हूँ जैसा मैंने पहले आपके सामने प्रस्तावित किया था। लेकिन मैं इस पत्र के बारे में एक और मुद्दे की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

कृपया मुझसे वादा करो कि तुम हंसोगे नहीं, मुझसे वादा करो कि तुम अपना सिर नहीं खुजाओगे क्योंकि विद्वान भी ऐसी ही बातें करते हैं। यह प्रस्तावित है कि ओनेसिमस वास्तव में फिलेमोन का गुलाम था और फिलेमोन, एक ईसाई होने के बावजूद, समलैंगिक साथी के रूप में यौन संबंध बनाने का आनंद लेता है। जब पॉल जेल में था, तो उसने उन गुलामों के बारे में सोचा, जिनमें वह बहुत अच्छा था, जिससे मुझे लगा कि यह पॉल के लिए अच्छा होगा।

और इसलिए वह उसे पॉल के पास भेजता है ताकि पॉल भी उसके साथ यौन संबंध का आनंद ले सके। समलैंगिक तर्क पर, वास्तव में, कभी-कभी यह सुझाव दिया जाता है कि यदि ऐसा नहीं था, तो पॉल और ओनेसिमस फिलेमोन से भाग गए थे क्योंकि फिलेमोन एक समलैंगिक साथी के रूप में उसके साथ यौन दुर्व्यवहार कर रहा था। यह एक ऐसा विषय है जिस पर हम चर्चा करेंगे।

विद्वानों की आदत होती है कि वे अपने उन साथियों के नाम छिपाने की कोशिश करते हैं जो इन बातों के पीछे खड़े होते हैं, क्योंकि वे अपना विचार बदल सकते हैं। या वे नहीं चाहते कि वे उपहास का पात्र बनें। लेकिन मैं कम से कम एक का उल्लेख करूँगा।

लेकिन ऐसा करने से पहले, मैं यह बताना चाहता हूँ कि गुलाम मालिकों द्वारा अपने गुलामों का यौन शोषण करना प्राचीन दुनिया में कोई नई बात नहीं थी। वास्तव में, गुलाम मालिकों को अपने गुलामों का यौन शोषण करने का अधिकार था। इसलिए यह मुद्दा नहीं था।

और कभी-कभी दासों के साथ दुर्व्यवहार भी किया जाता था। महिला और पुरुष दासों के साथ उनके स्वामियों द्वारा यौन दुर्व्यवहार किया जाता था। हम जानते हैं कि कभी-कभी कुछ स्वामी अपने मेहमानों का मनोरंजन करने के लिए वास्तव में उनके लिए दास उपलब्ध करा देते थे।

इनमें से कुछ व्यंग्य और सभी प्रकार की अभिव्यक्तियों में शामिल हैं जो इस तरह के विषय के बारे में सभी का मज़ाक उड़ाने की कोशिश करते हैं। फिलेमोन के संबंध में विशेष रूप से, इस विषय पर हाल ही में एक लेख जोसेफ ए. मार्कल द्वारा प्रकाशित किया गया है। शीर्षक है ओनेसिमस की उपयोगिता दासों का यौन उपयोग और बाइबिल साहित्य के जर्नल में फिलेमोन को पॉल का पत्र।

यहाँ, फिलेमोन मार्कल की पृष्ठभूमि में दासों के यौन उपयोग के लिए तर्क देते हुए कहा गया है कि हम विद्वान इस संक्षिप्त पत्र के लिए पर्याप्त संदर्भ खोजने के लिए संघर्ष करते हैं, दासों का यौन उपयोग इस पत्र के अवसर के बारे में विभिन्न परिकल्पनाओं में छाया और बारीकियों को जोड़ सकता है। प्राचीन कानूनी, सामाजिक, साहित्यिक और नैतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में, दासता की इस स्थिति में लगभग उतना ही ऐतिहासिक प्रमाण है जितना कि उग्र भगोड़े दासों, दूतों, प्रशिक्षु दासों और तीसरे पक्ष के मध्यस्थता की परिकल्पनाओं द्वारा उठाए गए हालात जो इस पत्र की व्याख्या के आसपास इकट्ठे हुए हैं। दूसरे शब्दों में, यदि हम तीनों दृष्टिकोणों को लेते हैं, तो हमें इस दृष्टिकोण को भी इसमें जोड़ना चाहिए।

सबूत क्या है? ऐसा क्यों सुझाया जाना चाहिए? खैर, सबूत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि दास मालिक अपने दासों का इस्तेमाल क्यों करते थे। लेकिन मैं आपको यह भी याद दिला दूँ कि प्राचीन दुनिया में आज की तरह, लोकप्रिय संस्कृति और आदर्श गुण एक ही नहीं हैं। दार्शनिक और नैतिकतावादी इस बात पर बहस करेंगे कि समाज और सभ्य लोगों के लिए क्या अच्छा है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे जिस बात के लिए बहस कर रहे हैं, वह लोकप्रिय संस्कृति में प्रचलित है।

इसलिए, यह तथ्य कि समलैंगिक दासों का समलैंगिक रूप से उपयोग किया जाता था, इसका यह अर्थ नहीं है कि दार्शनिकों ने इसे एक गुण माना। और यदि ऐसा है, तो एक महान व्यक्ति जो ईसाई बन गया था, उसे आगे यह तर्क देना होगा कि क्या प्रारंभिक ईसाइयों को अपने दासों का यौन शोषण करने या उनका यौन उपयोग करने की स्पष्ट स्वतंत्रता दी गई थी। माइकल वास्तव में इनमें से कुछ परीक्षणों को हमारे ध्यान में लाता है।

मुसोनियस रूफस मेरे पसंदीदा लोगों में से एक हैं, और देखिए कि एक दार्शनिक ने इस मुद्दे को कैसे संबोधित किया। इस श्रेणी में वह व्यक्ति आता है जो अपनी दासी के साथ संबंध रखता है। यह ऐसी चीज है जिसे कुछ लोग बिना किसी दोष के मानते हैं।

चूंकि हर मालिक को अपने गुलाम का इस्तेमाल अपनी मर्जी से करने का अधिकार है। इस पर मैं बस एक बात कहना चाहता हूँ। अगर मालिक को अपने गुलाम के साथ संबंध बनाना न तो शर्मनाक लगता है और न ही अनुचित, खासकर अगर वह गुलाम अविवाहित हो, तो मालिक को

सोचना चाहिए कि अगर उसकी पत्नी किसी पुरुष गुलाम के साथ संबंध बनाए तो उसे कैसा लगेगा।

क्या यह पूरी तरह से असहनीय नहीं होगा कि न केवल वैध पति वाली महिला किसी गुलाम के साथ संबंध बनाए, बल्कि बिना पति वाली महिला भी ऐसा करे। मुसोनियस का कहना है कि समाज में जो लोग ऐसा करते हैं, उन्हें इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। लेकिन माइकल कहते हैं, इस तरह के परीक्षण को देखें।

और जब आप इस परीक्षण को देखते हैं, तो क्या यह आपको नहीं बताता कि यह इतना आम और प्रचलित है कि चर्चा में इस पर विचार करना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है? हेरोदास, बिथिना में मैं एक गुलाम हूँ। मुझे अपनी इच्छानुसार इस्तेमाल करें।

दूसरे शब्दों में, एक गुलाम को मालिक अपनी इच्छानुसार इस्तेमाल कर सकता है। खैर, मुसोनियस ने कहा कि, हाँ, हर कोई यह जानता है। होरेस, अब वास्तव में, जब आपकी सच्चाई परीक्षण का हिस्सा होती है, तो आप सोने के प्याले नहीं मांगते, है न? जब आप भूखे होते हैं और आप मोर और टर्बोट के अलावा हर चीज पर अपनी नाक नहीं सिकोड़ते, है न? जब आपकी कमर सिकुड़ रही हो, और कोई गुलाम लड़की या कोई देसी गुलाम लड़का हाथ में तैयार हो, जिस पर आप तुरंत कूद सकते हैं, तो आप अपनी टोपी पहने रहना पसंद नहीं करते, है न? मैं निश्चित रूप से नहीं करता।

दूसरे शब्दों में, वे दासों पर यौन रूप से हावी होते हैं। होरेस के व्यंग्य में, मुझे वह सेक्स पसंद है जो आसान और प्राप्त करने योग्य हो, दासों का संदर्भ देते हुए। मैं माइकल जैसे विद्वान द्वारा दासों के यौन संबंधों को चर्चा में लाने के लिए इस्तेमाल किए गए सबूतों की ओर इशारा कर रहा हूँ ताकि वास्तव में आपको यह सुझाव दिया जा सके कि, मेरे विचार से, इसे बातचीत में लाना दूर की कौड़ी है।

इसका मतलब यह नहीं है कि हमें इसके बारे में नहीं जानना चाहिए, लेकिन इस पत्र में जो कुछ भी हो रहा है, उससे इस संबंध में बहुत कुछ पता नहीं चलता। जब हम विशेष रूप से फिलेमोन ओनेसिमस और दासों के उपयोग को देखते हैं, तो यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मालिकों द्वारा अपने दासों का यौन संतुष्टि के लिए उपयोग करना नैतिक रूप से गलत नहीं था। यह बताना भी महत्वपूर्ण है कि नए नियम में दास-स्वामी संबंध स्पष्ट रूप से दासों के नाम को बढ़ावा देने या उनके यौन उपयोग को दोषी ठहराने के लिए कुछ भी नहीं कहता है।

तो यह एक ऐसा तथ्य है जिसे हमें स्वीकार करना चाहिए। कुछ लोगों ने तर्क दिया है, हालाँकि यह तर्क बहुत तेज़ी से लुप्त हो रहा है, कि शुरुआती ईसाइयों को अपने दासों को यौन उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने से मना नहीं किया गया था, इसलिए संभावना है कि फिलेमोन भी इसका इस्तेमाल कर सकता था। मैं आपको इस पत्र के बारे में हमारे विचार में सुझाव दे रहा हूँ कि किसी भी उचित अनुमान लगाने के लिए चर्चा में इसे शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

मैं पूरी ईमानदारी, देखभाल और उन दोस्तों, रिश्तेदारों, भाइयों और बहनों के लिए चिंता के साथ सोचता हूँ जिन्होंने समलैंगिक के रूप में अपने यौन अभिविन्यास को घोषित किया है, कभी-कभी

विद्वान किसी ऐसी चीज को सही ठहराने के लिए पीछे की ओर तर्क करने के जाल में फंस जाते हैं जो घर के बहुत करीब है। मैं किसी भी तरह से उन मुद्दों की गंभीरता को नकार नहीं रहा हूँ जिनसे हम अपनी पश्चिमी सभ्यता में नियमित रूप से निपटते हैं। मैं यह सुझाव देने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा कि अपने पड़ोसी से खुद की तरह प्यार करने का आह्वान एक ऐसा आदेश है जो ईश्वर की छवि और समानता में बने सभी मनुष्यों तक फैला हुआ है, जिसमें हमारे समलैंगिक भाई, बहनें, दोस्त, पड़ोसी और रिश्तेदार शामिल हैं।

वे हमारे प्यार और हमारी देखभाल के हकदार हैं, और हमें उन्हें वह प्यार और देखभाल देनी चाहिए। हालाँकि, यह दूसरी बात है कि इसे वापस धर्मग्रंथों में धकेलने की कोशिश की जाए और जहाँ कोई संदर्भ नहीं है, उसे संबंधित मुद्दा बना दिया जाए। यही कारण है कि मैं प्रस्तुत करता हूँ कि दासों के यौन उपयोग के साथ यह विशेष तर्क इतना मजबूत नहीं है कि इसे गंभीर बातचीत में भी शामिल किया जा सके, लेकिन चूँकि यह विद्वानों के बीच उभरा है, इसलिए मुझे लगता है कि आपको यह बताना मेरा कर्तव्य है कि कुछ विद्वान इस तरह सोचते हैं लेकिन अधिकांश विद्वान इस तर्क को स्वीकार नहीं करते हैं।

मुझे उम्मीद है कि इससे मदद मिलेगी। अब जब हमने कुछ पृष्ठभूमि मुद्दों पर गौर किया है, तो हम पत्र की ओर आते हैं। पत्र की शुरुआत में, पौलुस ने खुद को एक प्रेरित के रूप में पेश नहीं किया है।

हम जानते हैं कि पौलुस की सभी पत्रियों में से, केवल एक ही अन्य पत्र है जिसमें उसने खुद को प्रेरित के रूप में पेश नहीं किया, वह पत्र है जो उसने अपने मैसेडोनियन मित्रों को लिखा था। हम जानते हैं कि वह अपने मैसेडोनियन मित्रों से प्यार करता था। वह कुरिन्थियों को लिखे अपने पत्र में उनके बारे में डींग मारता है।

वे सबसे अद्भुत लोग हैं, और ये फिलिप्पी और थिस्सलुनीके की कलीसियाएँ हैं। उन कलीसियाओं में, पौलुस ने खुद को प्रेरित नहीं कहा। क्या इसका मतलब यह है कि वह उस बातचीत में अपने अधिकार की प्रबल भावना को व्यक्त नहीं करना चाहता था? कुछ लोग सोचते हैं कि यहाँ यही हो रहा है।

स्पष्ट रूप से, फिलेमोन में, एक भागे हुए दास के घर लौटने के साथ एक संवेदनशील मुद्दे पर, पॉल किसी ऐसे व्यक्ति के साथ अपनी बातचीत शुरू नहीं करना चाहता है जिससे वह यह दिखा कर मदद माँगने जा रहा है कि वह कितना शक्तिशाली है। यदि वह अपना व्यवसाय कार्ड बहुत जल्दी निकालता है, तो वह लड़ाई हार सकता है। इसलिए शायद वह पीछे हट जाता है।

सह-लेखक तीमुथियुस है, और यह पत्र न केवल फिलेमोन को बल्कि उसके घर की कलीसियाओं को भी संबोधित है। वास्तव में, यह पंक्ति इस प्रकार है: हमारे प्रिय सहकर्मी फिलेमोन, और हमारी बहन अफ़ीर, और हमारे साथी सैनिक अर्खिप्पुस और आपके घर की कलीसिया को। अक्सर, हमने इस पत्र को केवल फिलेमोन को लिखे जाने के रूप में देखा है।

लेकिन दबाव के बारे में सोचिए, और मैं आपका ध्यान पॉल द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे दबाव की ओर आकर्षित करने जा रहा हूँ। फिलेमोन, मैं एक व्यक्तिगत अपील कर रहा हूँ क्योंकि जैसे ही

वह अभिवादन और उस सब की शुरूआती टिप्पणियों को समाप्त करता है, वह चीजों को एकवचन बना देता है। वह इसे एकवचन संबोधन बनाता है, बस फिलेमोन।

मैं आपको लिख रहा हूँ, और मैं आपसे एक अपील करने जा रहा हूँ। लेकिन, लेकिन, लेकिन, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इस बारे में सोचें। यह पत्र आपके घर में मिलने वाली कलीसिया के लिए भी है।

ओह, क्या हो रहा है? मैं चाहता हूँ कि जो लोग आपको एक ईसाई नेता के रूप में जानते हैं, वे जानें कि मैंने आपको किस बारे में लिखा है और आप उस पर कैसे प्रतिक्रिया दे रहे हैं। क्या आपको लगता है कि यह दबाव है? ओह, हाँ। ओह, हाँ।

बिशप ने पैरिश के पादरी को पत्र लिखकर कहा, अरे, पादरी, क्या आप उस जिद्दी आदमी को जानते हैं जिसने चर्च में परेशानी पैदा की और यह सब? वह मेरे पास आया है वह बहुत अच्छा है और मैं यह पत्र भेज रहा हूँ। कृपया उसका अच्छे से ख्याल रखें। उसने अपना जीवन बदल दिया है।

मैं चाहता हूँ कि आप लोग उसे गले लगाएँ, उसकी देखभाल करें और उसे चर्च में घुमाएँ। वैसे, यह पत्र केवल आपके लिए ही नहीं है। मैं चाहता हूँ कि चर्च को पता चले कि मैंने आपको क्या लिखा है।

ताकि जवाबदेही बनी रहे। ओह, हाँ। यह पॉल है।

और देखिए कि पॉल बाकी बातों को कैसे संभालेगा। पॉल चतुर है। जहाँ तक डगलस मू की बात है, मुझे इस पत्र में डगलस की चर्चा बहुत उपयोगी लगी।

इसलिए, मैं इस सामग्री को व्यवस्थित करने के मामले में उस पर बहुत अधिक निर्भर करता हूँ। डगलस मू लिखते हैं कि पॉल की कैद सुसमाचार के लिए उनके स्वयं के बलिदानों की एक सूक्ष्म याद दिलाती है और फिलेमोन को उनके अनुरोध को सहानुभूति के साथ देखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। पॉल फिलेमोन को भी अपने अधिकारों को त्यागने के लिए मजबूर करने के लिए अपने अधिकारों को त्याग देता है।

इसलिए, वह यह नहीं कहेगा कि मैं प्रेरित हूँ। वह कहेगा, मैं एक कैदी हूँ। फिलेमोन, तुम प्रभु में मेरे बच्चे थे, और मैंने तुम्हें मार्गदर्शन दिया।

अब मैं जेल में हूँ और किसी समय वह कहेगा कि मैं बूढ़ा हो गया हूँ। मुझे तुम्हारा साथ चाहिए, प्लीज। अपने विवेक के बारे में सोचो।

यदि आप उस स्थिति में हैं और आप वह नहीं करते जो वह आपसे करने के लिए कह रहा है। पौलुस अच्छा है। लेकिन इससे पहले कि हम पद 4 पर जाएँ, आइए पत्र में उल्लिखित प्रमुख लोगों पर नज़र डालें।

फिलेमोन का अभिवादन किया जाता है। हमें वहाँ अविद्या नाम भी मिलता है, और विद्वानों का मानना है कि अविद्या वास्तव में फिलेमोन की पत्नी या बहन है। फिर किसी और का उल्लेख साथी सैनिक, अर्चिप्पस के रूप में किया जाता है।

यह सुझाव दिया गया है कि वह फिलेमोन का बेटा हो सकता है जो सुसमाचार का सेवक है या दोनों। फिलेमोन का बेटा जो सुसमाचार का सेवक भी है। अगर ऐसा है, तो यह और भी अधिक समझ में आता है कि ये सभी नाम फिलेमोन के घराने के सदस्य हैं, इसलिए जैसे ही पॉल यह बात खत्म करता है, वह आपके घर पर मिलने वाली कलीसिया की ओर मुड़ता है।

अपने धन्यवाद ज्ञापन के लिए मंच तैयार करना। यहीं से पॉल धन्यवाद देना शुरू करेंगे। मैं हमेशा अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ जब मैं अपनी प्रार्थनाओं में आपको याद करता हूँ क्योंकि मैं आपके प्रेम और प्रभु यीशु और सभी संतों के प्रति आपके विश्वास के बारे में सुनता हूँ।

और मैं प्रार्थना करता हूँ कि तुम्हारे विश्वास का साझाकरण हर उस अच्छी बात की पूर्ण पहचान के लिए प्रभावी हो जो मसीह के लिए हमारे भीतर है। क्योंकि हे मेरे भाई, तुम्हारे प्रेम से मुझे बहुत आनन्द और शान्ति मिली है, क्योंकि तुम्हारे द्वारा पवित्र लोगों के हृदयों को ताज़गी मिली है। इस धन्यवाद में मुख्य बातें उसके प्रेम और उसके विश्वास पर जोर देना है।

शायद मुझे आपका ध्यान यहाँ जल्दी से आकर्षित करना चाहिए कि यहाँ एक मुद्दा है कि क्या प्रेम और विश्वास सभी लोगों के प्रति है या नहीं। इसलिए, आप अपने अनुवाद में कुछ बदलाव देख सकते हैं। लेकिन मैं इसे अपने सभी लोगों के लिए उनके प्रेम और मसीह यीशु में उनके विश्वास के संदर्भ में पढ़ना पसंद करता हूँ।

और जैसा कि पौलुस पद 8 में आगे बढ़ता है, वह एक अस्थायी अपील करता है लेकिन मुद्दे पर नहीं जाता। वह तदनुसार कहता है, यद्यपि मैं मसीह में इतना साहसी हूँ कि तुम्हें जो चाहिए वह करने की आज्ञा दे सकता हूँ। याद रखें, उसने यह नहीं कहा कि मैं एक प्रेरित हूँ। मैं तुमसे जो चाहिए वह माँगने के लिए पर्याप्त साहसी हूँ, फिर भी प्रेम के कारण।

ओह, आप लोगों से प्यार करते हैं। मैंने इसका ज़िक्र किया। आप यह जानते हैं।

प्रेम के कारण मैं आपसे अपील करना पसंद करता हूँ। मैं पॉल, एक बूढ़ा आदमी और अब मसीह यीशु के लिए कैदी भी हूँ, मैं अपने बच्चे ओनेसिमस के लिए आपसे अपील करता हूँ जिसका पिता मैं अपनी कैद में बन गया। यहाँ पॉल संकेत दे रहा है कि यदि आप ओनेसिमस हैं तो पत्र पढ़ने के पहले दो मिनट में आपको यहाँ क्या हो रहा है, इसके बारे में अधिक जानने की उत्सुक इच्छा होगी और फिर पॉल आकर रिश्तों पर प्रकाश डालते हुए अपनी अपील प्रस्तुत करेगा।

यहाँ मुख्य बात रिश्तों की है। वह अपने और उनेसिमस के साथ अपने रिश्ते के आधार पर अपील करेगा। वह फिलेमोन उनेसिमस के स्वामी के साथ पौलुस के रिश्ते के आधार पर अपील करेगा, और वह फिलेमोन और उनेसिमस के बीच के रिश्ते को मजबूत करेगा और उसके लिए एक मामला बनाएगा, यही कारण है कि उसकी अपील को बहुत, बहुत गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

तो, आइए पहले वाले पर नज़र डालें। पॉल और ओनेसिमस के बीच संबंध वह पॉल के ज़रिए मसीही बना। भूतपूर्व दास उपयोगी साबित हुआ था। वह अपने स्वामी के लिए उपयोगी रहा था, और वह जेल में पॉल के लिए भी उपयोगी रहा है। पॉल ने उसे अपना प्रिय भाई कहा। वह पॉल का बेटा है, और वह बहुत गर्म है। फिलेमोन को यह पता होना चाहिए।

पॉल का इस व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत संबंध है, और उसने उसे वापस भेज दिया। इस अपील का आधार बनने वाला अगला संबंध पॉल और फिलेमोन के बीच का संबंध है। फिलेमोन को पता होना चाहिए कि वह भी उसके माध्यम से एक ईसाई बन गया। अगर आप भूल गए हैं, तो वे सभी उसके आध्यात्मिक बच्चे हैं। फिलेमोन को याद रखना चाहिए कि वह मंत्रालय में उसके साथ भागीदार है। दूसरे शब्दों में, वह एक मंत्री है जिसे पॉल के साथ अपने विश्वास को साझा करना चाहिए था।

पॉल फिलेमोन से इस सहानुभूति की अपील करेगा। हे फिलेमोन, मेरी बात सुनो। मैं एक बूढ़ा आदमी हूँ जो तुमसे एक मदद माँग रहा हूँ।

मैं एक कैदी हूँ। मैं जंजीरों में हूँ। मैं एक साथी हूँ, और मैं एक भाई हूँ।

नोट: ओनेसिमस एक भाई था। फिलेमोन एक भाई है, और ओनेसिमस एक बेटा है। फिलेमोन एक बेटा है अरे दोस्तों, आप भाई-बहन हैं।

आप दोनों में और भी समानताएँ हैं। मैं आपका आध्यात्मिक पिता हूँ। क्या आप मेरी बात सुन सकते हैं और मेरी मदद कर सकते हैं, फिलेमोन और ओनेसिमस? अब पॉल यहाँ कुछ दिलचस्प बात की ओर उनका ध्यान आकर्षित करना चाहता है।

ओनेसिमस अतीत में बेकार था। पॉल कहते हैं कि मैं इस बात से इनकार नहीं करूँगा कि वह अतीत में आपके लिए बेकार था। उसने शायद आपको कुछ पैसे देकर धोखा दिया हो।

वह कहता है, मैं इसे अपनी जेब से चुकाऊँगा। अब वह पॉल के लिए उपयोगी है। पॉल कहता है कि वह फिलेमोन के लिए भी उपयोगी हो जाएगा। पॉल तर्क देता है कि वह अब प्रभु में फिलेमोन का प्रिय भाई बन गया है।

आपके पास सिर्फ़ एक भाई नहीं है, और न ही आपका कोई भाई है जिससे आप नफ़रत करते हैं। कभी-कभी भाई लड़ते हैं। नहीं, आपका एक प्यारा भाई है।

वास्तव में, मुझे पढ़ने दीजिए कि पद 16 में क्या कहा गया है। अब दास के रूप में नहीं, बल्कि दास से भी बढ़कर, प्रिय भाई के रूप में, विशेष रूप से मेरे लिए, लेकिन आपके लिए और भी अधिक, शरीर में और प्रभु में। पॉल कहते हैं कि यहाँ आपका सिर्फ़ एक भाई नहीं है। आपका एक भाई है जिससे आपको प्रेम करना चाहिए।

वह एक प्यारा भाई है। उसे गले लगाओ और चूमो, और उसे गले लगाओ। खैर, यह एक गुलाम है जिसे इस दृढ़ अनुमान के साथ आना चाहिए कि वह पिटाई का हकदार है, उसे पिटाई की जरूरत है या उसने जो किया है उसके लिए उसे किसी तरह की सजा की जरूरत है।

पौलुस उससे जोरदार अपील कर रहा है। पौलुस की रणनीतिक अपील यह है। अपनी परिस्थितियों को समझाते हुए, वह ओनेसिमस को वापस फिलेमोन के पास भेज रहा है।

वह फिलेमोन की मुश्किल परिस्थिति को देखते हुए उसकी सहानुभूति की अपील करके उस पर दबाव डालता है। और वह स्वीकार करता है कि यह वास्तव में महंगा हो सकता है क्योंकि उसने जो किया वह अच्छा नहीं था। लेकिन पॉल के लिए, वह इसे जाने नहीं देगा।

और इसलिए, वह अपने उद्देश्य को उच्च स्तर की स्पष्टता के साथ बताएगा, जिसे मैं उद्देश्य और दबाव कहता हूँ। इसलिए, यदि, पद 17, तुम मुझे अपना साथी मानते हो, तो ओनेसिमस को वैसे ही स्वीकार करो जैसे वह मुझे स्वीकार करता। यदि उसने तुम्हारे साथ कुछ गलत किया है या तुम्हारा कुछ भी बकाया है, तो उसे मेरे खाते में डाल दो।

मैं, पॉल, यह अपने हाथों से लिख रहा हूँ। मैं इसे चुका दूँगा। और यह तो कहना ही क्या कि तुम मुझ पर कर्जदार हो, यहाँ तक कि अपने आप पर भी।

हाँ, भाई, मैं प्रभु में आपसे कुछ लाभ चाहता हूँ, इसलिए मसीह में मेरे हृदय को ताज़ा करें: अधिक दबाव, पद 21। आपकी आज्ञाकारिता के प्रति आश्चर्य, क्योंकि मैं जानता हूँ कि आप वैसे भी मेरी आज्ञा मानते हैं, मुझे इस बात का भरोसा है।

मैं तुम्हें यह जानते हुए लिख रहा हूँ कि तुम मेरी कही हुई बात से भी ज़्यादा करोगे। साथ ही, मेरे लिए एक अतिथि कक्ष तैयार करो, क्योंकि मुझे उम्मीद है कि तुम्हारी प्रार्थनाओं के ज़रिए, मैं तुम्हें अनुग्रहपूर्वक सौंप दिया जाऊँगा। मैं तुम्हारे पास आऊँगा और देखूँगा कि तुम ओनेसिमस के साथ इस मुद्दे को कैसे संभाल रहे हो।

फिर पौलुस इस पत्र से निष्कर्ष निकालता है: मसीह यीशु में मेरे साथी कैदी इपफ्रास का तुम्हें नमस्कार। और मेरे सहकर्मी मरकुस, अरिस्तरुस, देमास और लूका का भी तुम्हें नमस्कार।

हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह आपकी आत्मा के साथ है। लौटने वाले दास के आने पर, पौलुस अपील करता है कि फिलेमोन को एक भाई मिले। यह एकता की इस भावना में है, क्षमा और मेल-मिलाप की इस भावना में, शायद हम सभी ईसाई भी इस विशेष पत्र के अनुप्रयोग के क्षेत्र में सोच सकते हैं कि क्षमा हमारे जीवन का हिस्सा हो सकती है।

मेलमिलाप हमारे जीवन का हिस्सा हो सकता है। पौलुस के लिए दबाव ज़रूरी था, और फिर भी फिलेमोन ही वह था जिसने निर्णय लेने की पूरी आज्ञा दी। पौलुस उम्मीद करता है और प्रार्थना करता है।

हम नहीं जानते कि इसका क्या नतीजा निकलता है, लेकिन हम सभी को उम्मीद है कि इस तरह के पत्र के ज़रिए ओनेसिमस को प्यार से गले लगाया गया और विश्वास के समुदाय में स्वीकार किया गया। फिलेमोन को लिखे पौलुस के पत्र पर इस चर्चा के लिए आपका धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि इससे आपकी समझ पर कुछ प्रकाश पड़ा होगा।

और मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप अपने समय पर इस पत्र को पढ़ें और इसके बारे में और पढ़ें। यह बहुत ही रोचक है। अगर आप प्रचारक हैं, तो इससे प्रचार करें।

इससे कुछ महत्वपूर्ण सबक सीखिए। मैं इस पत्र के बारे में बहुत कुछ नहीं सुनता। मैं इस पत्र में लिखी सभी अच्छी बातों को सार्वजनिक रूप से नहीं सुनता।

और मुझे उम्मीद है कि अब तक आपको यह पसंद आया होगा। इस बाइबिल अध्ययन श्रृंखला में हमारे साथ अध्ययन करने के लिए धन्यवाद। धन्यवाद।

यह डॉ. डैन डार्को द्वारा जेल पत्रों पर व्याख्यान श्रृंखला में दिया गया व्याख्यान है। यह फिलेमोन पर सत्र 17 है।